TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

12 मार्च 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा का मकसद किसी व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर

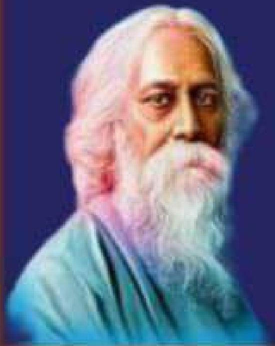

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

12 मार्च

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार 12 मार्च 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"समूह का नाम संगति नहीं है। जहाँ प्रेम नहीं है, वहाँ लोगों की आकृतियाँ चित्रवत् हैं और उनकी बातचीत झाँझ की झनकार है।"

– बेकन

DIWAS GYAN

आज के दिन

1954– भारत सरकार ने साहित्य अकादमी की स्थापना की।

वार्षिक मूल्यांकन 2025

प्रथम पाली : 10:00 से 12:00 बजे

कक्षा 3–5 के लिए गणित

द्वितीय पाली : 01:00 से 03:00 बजे

कक्षा 6–8 के लिए गणित

1. **महात्मा गांधी की दांडी यात्रा**– 12 मार्च, 1930 ई. को अंग्रेजों के नमक कानून को तोड़ने के लिए महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से अपने 78 समर्थकों के साथ गुजरात के तटीय गांव दांडी की ओर प्रस्थान किया। 24 दिनों में 4 जिलों और 48 गांवों से गुजरते हुए 358 किमी. की यात्रा पुरी कर 6 अप्रैल, 1930 ई. को गांधी जी ने दांडी में नमक बनाकर अंग्रेजों के नमक कानून का विरोध किया था। नमक कानून ने अंग्रेजों को नमक निर्माण और वितरण का पूर्ण अधिकार दे दिया था। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग नमक को आसानी से बना सकते थे लेकिन नमक कानून के तहत वह ऐसा नहीं कर सकते थे। उन लोगों को भी नमक खरीदना पड़ता था। नमक कानून का उल्लंघन आपराधिक कृत्य था। नमक सत्याग्रह के कारण गांधी जी सहित 60 हजार लोगों की गिरफ्तारी हुई थी।
   - संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 12, पृष्ठ 204
2. **अंतर्राष्ट्रीय ग्लूकोमा दिवस**– ग्लूकोमा को आम भाषा में काला मोतियाबिन्द भी कहते हैं। यह रोग ऑप्टिक तंत्रिका में गंभीर एवं निरंतर क्षति करते हुए धीरे–धीरे दृष्टि समाप्त कर देता है। यदि इस रोग का उपचार न किया जाय तो व्यक्ति अंधा भी हो सकता है। यह प्रतिवर्ष 12 मार्च को मनाया जाता है।

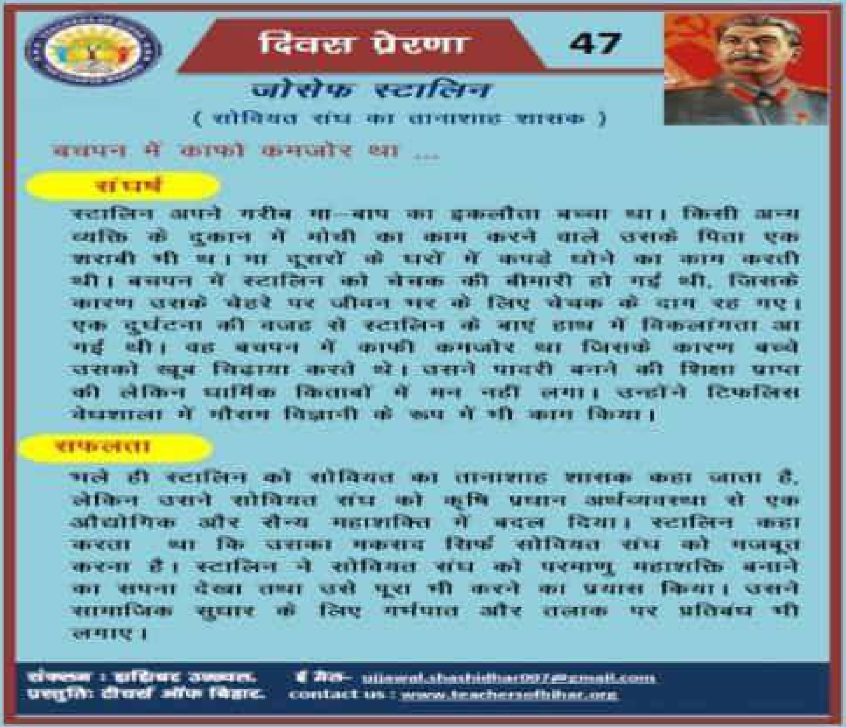
दिवस प्रेरणा 47
जोसेफ स्टालिन
(सोवियत संघ का तानाशाह शासक)
बचपन में काफी कमजोर था ...
संघर्ष
स्टालिन अपने गरीब मां–बाप का इकलौता बच्चा था। किसी अन्य व्यक्ति के दुकान में मोची का काम करने वाले उसके पिता एक शराबी भी थे। मां दूसरों के घरों में कपड़े धोने का काम करती थी। बचपन में स्टालिन को चेचक की बीमारी हो गई थी, जिसके कारण उसके चेहरे पर जीवन भर के लिए चेचक के दाग रह गए। एक दुर्घटना की वजह से स्टालिन के बाएं हाथ में विकलांगता आ गई थी। वह बचपन में काफी कमजोर था जिसके कारण बच्चे उसको खूब चिढ़ाया करते थे। उसने पादरी बनने की शिक्षा प्राप्त की लेकिन धार्मिक किताबों में मन नहीं लगा। उन्होंने टिफलिस वेधशाला में मौसम विज्ञानी के रूप में भी काम किया।
सफलता
भले ही स्टालिन को सोवियत का तानाशाह शासक कहा जाता है, लेकिन उसने सोवियत संघ को कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से एक औद्योगिक और सैन्य महाशक्ति में बदल दिया। स्टालिन कहा करता था कि उसका मकसद सिर्फ सोवियत संघ को मजबूत करना है। स्टालिन ने सोवियत संघ को परमाणु महाशक्ति बनाने का सपना देखा तथा उसे पूरा भी करने का प्रयास किया। उसने सामाजिक सुधार के लिए गर्भपात और तलाक पर प्रतिबंध भी लगाए।
संकलन : शशिधर उज्ज्वल, ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार, contact us : www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

12 मार्च

मधु प्रिया

महात्मा गांधी की दांडी यात्रा 12 मार्च

महात्मा गांधी द्वारा 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च की शुरुआत की गई थी। यह यात्रा अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से समुद्र तटीय गांव दांडी तक निकाली गई थी।दांडी मार्च को नमक मार्च या दांडी सत्याग्रह के रूप में भी इतिहास में जगह मिली है। वर्ष 1930 में अंग्रेज सरकार ने जब नमक पर कर लगा दिया तो महात्मा गांधी ने इस कानून के खिलाफ आंदोलन छेड़ा।ये ऐतिहासिक सत्याग्रह गांधी समेत 78 लोगों के द्वारा अहमदाबाद साबरमती आश्रम से समुद्रतटीय गांव दांडी तक पैदल यात्रा (390किलोमीटर) की।12 मार्च को शुरू हुई ये यात्रा 6 अप्रैल 1930 को नमक हाथ में लेकर नमक विरोधी कानून भंग करने का आह्वान किया।महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का एक कार्य था। चौबीस दिवसीय 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ कर प्रतिरोध और अहिंसक विरोध के प्रत्यक्ष कार्रवाई अभियान के रूप में चला। इस मार्च का एक अन्य कारण यह था कि सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक मजबूत उद्घाटन की आवश्यकता थी जो अधिक लोगों को गांधी के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करे।

पुण्यतिथि विशेष 12 मार्च

प्रह्लाद चुन्नीलाल वैद्य *Prahalad Chunnilal Vaidya*, जन्म- 23 मई, 1918; मृत्यु- 12 मार्च, 2010) भारत के उन गिने-चुने गणितज्ञों में से एक रहे, जिन्होंने गणित के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण व दूरगामी योगदान दिया था। वह न सिर्फ एक मशहूर गणितज्ञ थे बल्कि एक शिक्षाविद भी थे। वे चाहते थे और प्रयास करते थे कि गणित बच्चों के लिए सुगम व रुचिकर बने। वे मानते थे कि गणित सिखाना शायद कठिन है, मगर गणित सीखना कठिन नहीं है क्योंकि गणित तो हमारी संस्कृति का अंग है।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

प्रेजोडायमियम(Praseodymium)

लैंथेनाइड सीरीज तत्व

संकेत (symbol) - Pr

परमाणु संख्या Atomic no. -59

परमाणु भार A.weight -140.90

समूह - f block group

आवर्त (period)-6

ब्लाक (Block)-f

संयोजकता (valancy)-3

समस्थानिक -1

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -[Xe]$4f^3 6s^2$

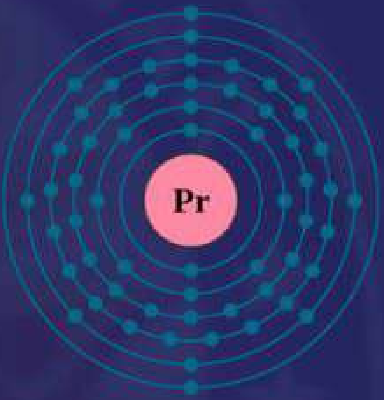

खोज

1885,कार्ल ऍयर वॉन

भौतिक गुण

नरम, तन्य, आधातवर्ध्य, चांदी सफेद, दुर्लभ, मृदा धातु

रासायनिक गुण

अम्ल के साथ प्रतिक्रियाशील

उपयोग

चकमक पत्थर, सिरेमिक, ग्लास,मिश्र धातु, स्टूडियो लाइट, लेजर

Anu priya

बिहार दिवस विशेष

12 मार्च

आइए, अपने बिहार को जाने !

01 मार्च से **22** मार्च

नीतीश कुमार
बिहार के मुख्यमंत्री

आरिफ़ मोहम्मद ख़ान
बिहार के राज्यपाल

24.

राजनगर पैलेस

बिहार के मधुबनी जिला में मौजूद राजनगर पैलेस बिहार के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध पैलेस में से एक है। इस पैलेस का निर्माण बिहार में महाराजा रामेश्वर सिंह के द्वारा करवाया गया था। आज भी यहां हर महीने लाखों पर्यटक घूमने के लिए आते हैं।

राकेश कुमार

मीठा-मीठा शहद

* मधुमक्खी अत्यंत ही उपयोगी जीव है, हजारों वर्षों से इनसे हम शहद और मोम प्राप्त करते हैं।
* मधुमक्खियां फूलों से रस चूसकर शहद बनाती है तथा इनके पेट से मोम निकलता है।
* सभी मधुमक्खियां एक जैसी नहीं होती है कोई काले और पीले रंग की होती है तो कोई हरे और नीले रंग की होती है।
* मधुमक्खी छत्ते बनाकर रहती है।
* छत्ते में तीन तरह की मधुमक्खियां होती हैं:-

(क) सबसे बड़े आकार की रानी मधुमक्खी जो अंडा देनेवाली होती है।

(ख) मध्यम आकार की मधुमक्खी जो संतान उत्पन्न करती है तथा

(ग) सबसे छोटे आकार की मादा श्रमिक मधुमक्खी जो छत्तों का निर्माण करती है।

पुनीता कुमारी

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

हवाई जहाज में सवार होने से पहले लोगों को अपनी कलम की स्याही निकाल देने की का आदेश दिया जाता है, क्यों?

हवाई जहाज जब काफी ऊंचाई पर उड़कर जाता है तो वहां दाब की कमी के कारण कलम की स्याही स्वयं बाहर निकलने लगती है, जिससे कपड़ा खराब हो जाता है। इसी कारण स्याही निकाल देने का आदेश दिया जाता है।

Madhu priya

ICC वनडे इवेंट्स में सबसे ज्यादा सिक्स

March. 25

ToB बालमन
हमारा समाज

सार्वजनिक स्थल

अस्पताल /HOSPITAL

अस्पताल वह स्थान हैं जहां बीमार और घायल लोगों को इलाज और बच्चों का टीकाकरण किया जाता हैं।

विद्यालय/SCHOOL

विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ शिक्षा ग्रहण की जाती है, जहाँ बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और नैतिक विकास के लिए एक संगठित वातावरण प्रदान किया जाता है।

बैंक/BANK

बैंक एक वित्तीय संस्था है जो जमा राशि जमा करता है और ऋण देता है. बैंक, लोगों को पैसे की ज़रूरत के समय पैसे उपलब्ध कराता है. बैंकिंग, अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को सुगम बनाता है

कचहरी/COURT

कचहरी, जिसे अदालत या कोर्ट भी कहते हैं, वह जगह है जहाँ सरकार की ओर से न्यायाधीशों द्वारा मुकदमों की सुनवाई करके न्याय किया जाता है।

Dhiraj Kumar

Health is wealth

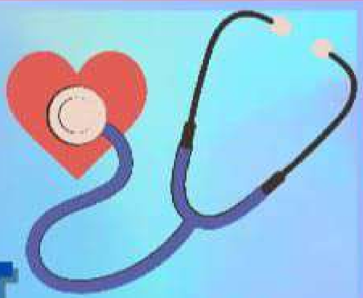

ToB बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

स्वस्थ जीवनशैली के लिए रोजाना व्यायाम करना बहुत ज़रूरी है और ऐसी शारीरिक गतिविधि चुनना जो आपकी हृदय गति को बढ़ाए, आदर्श है।

धीरज कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

दुनिया के सबसे छोटे देश **वेटिकन सिटी** में पिछले 96 सालों से एक भी **बच्चा पैदा** नहीं हुआ है। ऐसा इसलिए क्यूंकि इस देश के अस्पतालों में **मैटरनिटी वार्ड** नहीं है, और बच्चे को जन्म देने के लिए **दूसरे देश** में जाना पड़ता है।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 12.03.2025

सर्वांगीण विकास

शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, और सामाजिक पहलुओं में किसी व्यक्ति का विकास होना, उसे सर्वांगीण विकास कहते हैं. इसका मकसद, व्यक्ति को हर पहलू में विकसित करना और उसे जीवन में सफल बनाना होता है।

ToB बूझो तो जानें..

494

एक थाल मोतियों भरा, सबके सिर पर उल्टा धरा,
चारों ओर फिरे वो थाल, मोती उससे एक न गिरे ... बुझो तो जानें ?

संजय कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
TEACHERS OF BIHAR
Presents
CYBERमंत्र
साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा
सुरक्षित संचार के लिए हमेशा
समूह के बजाय एकल व्यक्ति
को ई-मेल भेजें।
शिकायत हेतु :
https://cybercrime.gov.in
विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:
https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-
let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

ToB Photo of the day

म०वि०कलारामपुर, मुंगेर

म०वि०ज़ुआफ़र, भगवानपुर हाट, सिवान

उ० उच्च मा० वि०केवटगामा, दरभंगा

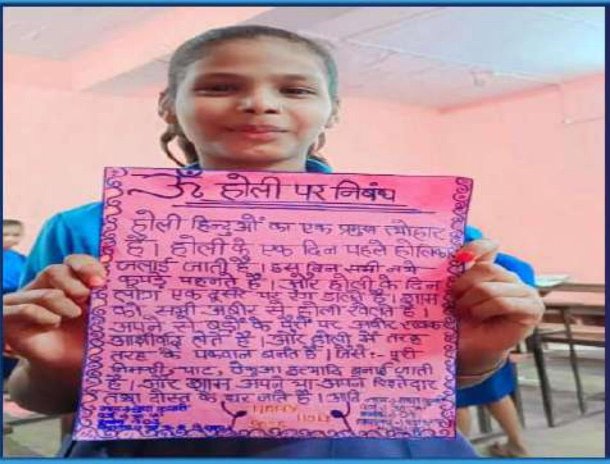

पर्दा कन्या म० वि० आरा, भोजपुर

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद

दांडी यात्रा

12 मार्च 1930

Madhu priya

/teachersofbihar

Teachers Of Bihar

12

MARCH

Dandi March Day

दांडी मार्च जिसे नमक सत्याग्रह भी कहा जाता हैं। महात्मा गांधी द्वारा 12 मार्च को शुरू किया गया एक ऐतिहासिक अहिंसक विरोध प्रदर्शन था। यह मार्च ब्रिटिश हुकूमत के अन्यायपूर्ण नमक क़ानून के ख़िलाफ़ था, जिसमे भारतीयों को नमक बनाने और बेचने से रोका गया था।

12 March

www.teachersofbihar.org

Madhu priya